अरुणा साईराम

अकादेमी पुरस्कार : कर्नाटक गायन संगीत

श्रीमती अरूणा साईंराम का जन्म 30 जून 1952 को तमिलनाडु के त्रिचि में हुआ था। श्रीमती साईंराम के कर्नाटक संगीत को कई प्रतिष्ठित संगीतकारों ने निखारा है। उनमें टी. बृंदा, उन्हें पदम, जावालिस, और कर्नाटक त्रिमूर्ति के संगीतसृजन सिखाए थे; एस. रामचन्द्रन, *नेरेवल* गायकी सिखाई थी; ए.एस. मनी, सोल–फा आशुरचना सिखाई थी; टी.आर. सुब्रह्मण्यम रागम–तानम–पल्लवी में आशुरचना सिखाई थी; के.एस. नारायणस्वामी ने आपको *गमक* का प्रयोग करना सिखाया था; और एस.आर.डी. वैद्यनाथन *मालारी* गायन सिखाया था, शामिल हैं। एयूजिन रेबिन ने उन्हें आवाज़ के आरोह–अवरोह के गुर दिये थे और बालामुरली कृष्ण ने कुछ वर्षों तक आपका समग्र मार्गदर्शन किया था। टी. बृंदा द्वारा प्रस्तुत धानाम्मल शैली का आपके संगीत में प्रमुख प्रभाव है।

श्रीमती साईंराम को हमारे समय की अग्रणी कर्नाटक गायिका के रूप में स्वीकार किया गया है। कर्नाटक संगीत के समकालीन अभ्यास में आपका योगदान 18वीं सदी के संगीतकारों उस्ताद उत्तुकाडु वेंकट कवि; प्राचीन तिरूप्पूगज, तेबरम, और तिरूवाचकम के पाद; और गोपालकृष्ण भारती तथा अरूणाचल कवि जैसे मध्यकालीन संगीतकार के कार्यों के प्रचार–प्रसार में निहित है। श्रीमती साईंराम ने अपने उत्सवों में भगवान विट्ठल के लिए अभंग भी शुरू किए हैं और लोकप्रियता हासिल की है। शास्त्रीय संगीत के बाहर, आपने नृत्यसृजकों चन्द्रलेखा और मालाविका सरूक्कै के नृत्य प्रोडक्शनों में संगीत दिया है और प्रस्तुति दी है, और भारत तथा विदेश में संगीतकारों के साथ थीम उत्सव प्रस्तुत किए हैं। आपने सम्पूर्ण भारत के विभिन्न स्थानों के अलावा लंदन में रॉयल अल्बर्ट हॉल, न्यू यार्क के कारनेजी हॉल, और पैरिस में थियेटर दे ला विले जैसे समारोह–स्थलों पर प्रस्तुति पेश की है, और यूरोप तथा युनाइटेड स्टेट (अमेरिका) में विश्वविद्यालयों तथा कंजरवेटरिज़ में कई कार्यशालाएं आयोजित की हैं। आपने पश्चिमी श्रोताओं के लिए कर्नाटक संगीत शुरू करने पर ध्यान केंद्रित किया है। आपने स्वर संस्कृति पर पुस्तक लिखी है और अपने संगीत की कई रिकॉर्डिंग्स निकाली हैं। वह कर्नाटक संगीत के संवर्धन के लिए एक संगठन नादायोगम की संस्थापिका–अध्यक्ष हैं।

श्रीमती साईंराम को उनके कार्य के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा कलईमामणि (2006), और पद्मश्री (2009) से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती अरूणा साईंराम को कर्नाटक गायन संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।